सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

प्रथम सप्ताह

1. स्वमान - मैं बाप समान अलौकिक फरिश्ता हूँ।

फरिश्ता अर्थात्-

- जिसका पुरानी देह और दुनिया से कोई रिश्ता न हो,
- एक से ही सर्व रिश्ते हों, जो डबल लाइट हो, निश्चिंत व बेफिक्र बादशाह हो,
- जो सम्पूर्ण निर्मल अर्थात् पवित्र हो, जो न्यारा और प्यारा हो, संसार से उपराम हो,
- जो सबका हो, सबकी मदद करता हो और नि:स्वार्थ प्रेम बांटता हो.. आदि

(हम स्वयं को चेक करें और इन विशेषताओं को भरें।)

2. योगाभ्यास -

1. मेरा सम्पूर्ण पवित्र फरिश्ता स्वरूप मेरे सामने खड़ा है... उससे चारों ओर लाइट-माइट फैल रही है... मैं अपलक अपने इस अलौकिक स्वरूप को निहार रहा हूँ... धीरे-धीरे मेरा यह सम्पूर्ण फरिश्ता स्वरूप चलता हुआ आता है और मुझमें समा जाता है... अब मैं बाप समान अलौकिक फरिश्ता बन गया हूँ... बहुत तेजस्वी... प्रकाशमय... डबल लाइट... उपराम... करूणा व प्रेम की मूर्ति...।

२. सारे दिन में हर कर्म करते कम से कम 21 बार स्वयं को यह याद दिलायें कि मैं फरिश्ता हूँ... भोजन करते हुए 3 बार, स्नान करते हुए 2 बार, चाय-दूध-पानी पीते हुए 1-1 बार... इसी तरह अपने अलग-अलग कर्मों के लिए प्लान करें... कभी मैं शांति का फरिश्ता... तो कभी प्रेम का... कभी शक्ति का तो कभी पवित्रता का... इस तरह फरिश्तेपन के भिन्न-भिन्न अभ्यास करें...।

३. धारणा - डबल लाइट

डबल लाइट अर्थात्-

- आत्मा भी लाइट और शरीर भी लाइट,
- आत्मा भी लाइट और मन भी लाइट,
- बाप समान निश्चिंत, बेफिक्र स्थिति...

4. चिंतन - यदि मुझे बाप समान फरिश्ता बनना है तो मुझे क्या करना होगा?

5. साधकों प्रति - प्रिय साधकों! नव वर्ष 2012 को बाबा ने फरिश्ता वर्ष के रूप में मनाने की प्रेरणा हम बच्चों को दी है। बाबा इससे पूर्व 15 दिन या 1 मास के होमवर्क हमें दिया करते थे, इस बार उन्होंने पूरे वर्ष का होमवर्क दिया है। तो हम इस तपस्या मास में गहन तपस्या के साथ-साथ पूरे वर्ष की भी प्लानिंग करें कि कैसे हम बाप समान फरिश्ता बनें। इस वर्ष आपकी हर मंगल कामना पूर्ण हो, आप फरिश्ता बनने के अपने परम ध्येय को प्राप्त करें, इसी शुभकामना के साथ एक बार पुन: आप सभी साधकों को वर्ष 2012 की ढ़ेर सारी शुभकामनाएं...।

दूसरा सप्ताह

1. स्वमान - मैं इस देह में अवतरित फरिश्ता हूँ।

- फरिश्ते स्वरूप का अभ्यास हमारे सभी स्थूल व सूक्ष्म बंधनों को काटता जाता है और धीरे-धीरे हमें फर्शवासी से अर्शवासी बनाता जाता है।

2. योगाभ्यास - फरिश्ता बनकर बाबा के पास जाना, स्वयं को चार्ज करके वापस आना और सारे संसार को सकाश देना... दिन में कम से कम 25 बार इसका अभ्यास करें...।

प्रतिदिन के लिए अभ्यास -

सोमवार - ज्ञान का फरिश्ता बनकर ज्ञान देना।

मंगलवार - शांति का फरिश्ता बनकर सबको शांति के वायब्रेशन देना।

बुधवार - पवित्रता का फरिश्ता बनकर सबको पवित्रता के वायब्रेशन देना।

गुरुवार - सुख का फरिश्ता बनकर सबको सुख देना।

शुक्रवार - प्रेम का फरिश्ता बनकर सबको प्रेम देना।

शनिवार - शक्ति का फरिश्ता बनकर सर्व आत्माओं को शक्ति देना।

रविवार - वरदानी फरिश्ता बनकर सबको वरदान देना।

3. धारणा - मुख और मन का मौन

इस अव्यक्त मास में गहन अनुभव के लिए 'मौन साधना' अवश्य करें। अगर सम्पूर्ण मौन संभव न हो तो कम से कम अमृतवेले से लेकर मुरली क्लास तक मौन में रहें और आत्मचिंतन करें, तीनों समय मौन में रहकर बाबा की याद में भोजन करें।

4. चिंतन - कैसा है मेरा सम्पूर्ण फरिश्ता स्वरूप? अपने इस सम्पूर्ण फरिश्ते स्वरूप का एक शब्द चित्र बनायें।

5. साधकों प्रति - प्रिय साधकों! जनवरी मास हमें अपने प्यारे ब्रह्मा बाबा की याद दिलाता है जिन्होंने हमारे सामने अपनी सम्पूर्ण अवस्था को प्राप्त किया। उनका त्याग और वैराग्यपूर्ण जीवन, उनकी सादगी और श्रेष्ठ स्वमानयुक्त अवस्था, उनकी गंभीरता और रमणीकता, उनका एक-एक बोल, एक-एक कर्म हमें उनके समान ही महान बनने की प्रेरणा देने वाला है। आयें, इस तपस्या मास में हम प्रतिपल अपने प्राणों से प्यारे ब्रह्मा बाबा को अपनी आँखों में समाकर रखें, उनके अंग-संग रहें, बड़ी सूक्ष्मता से उनके जीवन का, उनके पुरुषार्थ का अध्ययन करें और उनके रंग में रंगकर उनके समान फरिश्ता बन जायें।

बड़ौदा। 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुजरात सरकार के पर्यटन मंत्री जितेन्द्र सुखड़ीआजी, अनुसूचित जाति विभाग के।

अखनूर। 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का उद्घाटन करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में खड़े हैं महात्मा रामानन्द, ब्र.कु.आशा, ब्र.कु.उत्तरा, ब्र.कु.मोहिनी तथा अन्य।

बालाघाट। 'शुभकामना शिव संदेश' समारोह में अपने जीवन का अनुभव सुनाते हुए पंचम सिंह साथ में हैं समाज सेवी कृष्णा मिश्रा, मानवधिकार सदस्या फिरोजा खान, ब्र.कु.माधुरी तथा अन्य।

बोपोडी (पुणे)। जीवन विद्या मिशन के सतगुरु वामनराव पै. को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.लक्ष्मी तथा अन्य।

अहमदाबाद। गुजरात राज्य के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के एडीशनल चीफ सेक्रेटरी रवि सक्सेना को ईश्वरीय निमंत्रण देने के पश्चात् ओम शांति मीडिया भेंट करते हुए ब्र.कु.नंदिनी।

फेजपुर म.प। अखिल भारतीय वैदिक धर्म सम्मेलन को संम्बोधित करते हुए ब्र.कु.रामनाथ भाई, मंचासीन स्वामी जर्नादन ,जगतगुरु दिव्यानंदतीर्थ ,ब्र.कु. सुधा बहन तथा संतगण।

अलकापुरी (बड़ौदा)। जी.एस.एफ.सी. में 'तनावमुक्त स्वस्थ जीवन शैली में राजयोग का स्थान' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्र.कु.निरंजना तथा मंचासीन हैं आर.ओ.एफ. के प्रेसीडेंट डॉ.डी.बी.भंडारी तथा अन्य।